Bhajan

19

भज ले मन तू राम राम राम

भज ले मन तू राम राम राम, जगत में कहीं नहीं विश्राम,
ज़िन्दगी है केवल संग्राम।
श्रीराम श्रीराम जय जय राम, जय जय राम बोलो जय जय राम।
पतित पावन नाम, भजले राम राम राम।
श्रीराम श्रीराम जय जय राम, जय जय राम बोलो जय जय राम।
भज ले मन तू राम राम राम ...

जब तक मन में तृष्णा है, दूर दूर ही कृष्णा है।
पल भर का सुख त्याग यहीं पर, सुमिरन कर सतनाम।
जगत में कहीं नहीं विश्राम, ज़िन्दगी है केवल संग्राम।
भज ले मन तू राम राम राम ...

जब तक मन ना मोड़ेगा, ये जग तुझको न छोड़ेगा।
दुनिया है काटों का जंगल, रोयेगा सर को थाम।
जगत में कहीं नहीं विश्राम, ज़िन्दगी है केवल संग्राम।
भज ले मन तू राम राम राम ...

तन छूटे पछतायेगा, साथ धरम ही जायेगा।
परमेश्वर है प्रिया तुम्हारा, भक्ति कर निष्काम।
जगत में कहीं नहीं विश्राम, ज़िन्दगी है केवल संग्राम।
भज ले मन तू राम राम राम ...

<u>सहारा बस नाम का</u>

सहारा बस नाम का म्हारे श्रीराम का,
जीवन भर का आसरा, नही सुबह और शाम का॥

दोष हैं कितने पाप हैं कितने, प्रभु दयालु आप हैं कितने,
तेरी शरण में आके लगे है, रोग शोक संताप सिमटने।
ख़ज़ाना बिन दाम का, नाम श्रीराम का,
जीवन भर का आसरा, नही सुबह और शाम का॥
सहारा बस नाम का . . .

जब जब गुरुवर हमें बुलायें, हम सब सत्संग में आ जाएं,
अपनी लगन और भोलेपन से, प्यारे सतगुरु जी को रिझाएं।
सदा के आराम का, नाम श्रीराम का,
जीवन भर का आसरा, नही सुबह और शाम का॥
सहारा बस नाम का . . .

जीवन तो है बहता सागर, उलझ गया क्यूं इसमे आकर,
राम नाम ने लाखों तारे, तू क्यूं अपनी बाज़ी हारे।
देखो ये कमाल का, नाम श्रीराम का,
जीवन भर का आसरा, नही सुबह और शाम का॥
सहारा बस नाम का . . .

मेरा दिल का स्वामी प्रभु एक तू है

मेरा दिल का स्वामी प्रभु एक तू है,
तेरी ही मुझे रातदिन जुस्तजू है।

मेरे दिल में हर वक्त प्रभु तू बसा है,
कैसे कहूं के तू मुझसे जुदा है,
मेरे मन के मन्दिर का तू देवता है।
क्या करूँ वर्णन के तू मेरा क्या है,
मैं गुल हूँ प्रभु उसमें तू रंगोबू है॥
मेरा दिल का स्वामी . . .

जगत वासनाओं ने है मुझको घेरा,
लगे पाप का मन की दुनिया में डेरा,
मेरे चारसू है छाया अन्धेरा।
बिना तेरे दुनिया में है कौन मेरा,
अगर आसरा है तो तेरा प्रभु है॥
मेरा दिल का स्वामी . . .

तुम्ही प्राण माला की ज्योति बने हो,
तुम्ही सीप शंखों में मोती बने हो,
तुम्ही मेरी भक्ति तुम्ही मेरा धन हो।
तुम्ही मेरा दीपक तुम्ही आचमन हो,
रहूँ तेरे चरणों में यही आरज़ू है॥
मेरा दिल का स्वामी . . .

फूलों से तुम हंसना सीखो

फूलों से तुम हंसना सीखो, भंवरों से तुम गाना,
सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना॥
बन्दे रे बन्दे रे . . .

धुएं से तुम सारे सीखो ऊंची मंज़िल पाना,
वायु के झोंको से सीखो हरकत में ले आना॥
बन्दे रे बन्दे रे . . .

वृक्षों की डाली से सीखो फल पाकर झुक जाना,
मेंहदी के पत्तों से सीखो पिस पिस रंग चढ़ाना॥
बन्दे रे बन्दे रे . . .

पतझड़ में पेड़ों से सीखो दु:ख में धीर बंधाना,
धागे और सुई से सीखो बिछड़े गले लगाना॥
बन्दे रे बन्दे रे . . .

मुर्गे की बोली से सीखो प्रात: प्रभु गुण गाना,
पानी की मछली से सीखो धर्म के हित मर जाना॥
बन्दे रे बन्दे रे . . .

<u>तुम ही मैं हूँ, फिर चिंतन क्या</u>

तुम ही मैं हूँ, फिर चिंतन क्या, मैं ही तुम हो, फिर उलझन क्या।
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो, तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो।
सबके भीतर एक ब्रह्म है, तेरी मेरी फिर अनबन क्या॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

सारा झगड़ा मैं और तुम का, खूनखराबा मैं और तुम का।
क्रोध कपट दुश्मनी दोस्ती, सभी दिखावा मैं और तुम का॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

फूलों में मकरन्द तुम्ही हो, मीठी मोहक गन्ध तुम्ही हो।
तुम्ही स्वासों के संचालक हो, योगी के आनन्द तुम्ही हो॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

मलयागिरि की पवन तुम्ही हो, कलाकार का सृजन तुम्ही हो।
दु:ख के गहरे अन्धकार में, आशाओं की किरण तुम्ही हो॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

तुम को जाना है जहां तक

तुम को जाना है जहां तक, तुम को माना वहां तक,
इस ज़मीं से आसमाँ तक, देह से परमात्मा तक।
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है,
तू ही तू है, तू ही तू है, दूसरा कोई नहीं॥

दर्शनों की आस लेकर, चल पड़ा हूँ हो बेफिकर,
कब कहाँ पर तुम मिलोगे, ये नही मुझको है खबर।
ज़िन्दगी के रास्ते में, देखता हूँ जिस तरफ भी,
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है॥
दूसरा कोई नहीं . . .

मैं नदी की हर लहर को, देखता तो हूँ एक टक,
किस लहर में मिल सकेगी, तेरे चितवन की इक झलक।
मन की महकी वादियों में, देखता हूँ जिस तरफ भी,
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है॥
दूसरा कोई नहीं . . .

चाँद तारों में तुम्हारी, रश्मियों की है इक झलक,
फिर भी छूना चाहती है, आप को दिल की ये ललक।
इस नशीली रात में भी, देखता हूँ जिस तरफ भी,
तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है, तू ही तू है॥
दूसरा कोई नहीं . . .

<u>तेरे फूलों से भी प्यार तेरे काटों से भी प्यार</u>

तेरे फूलों से भी प्यार तेरे काटों से भी प्यार,
जो भी देना चाहे दे दे करतार, दुनिया के पालनहार॥

हमको दोनो है पसन्द तेरी धूप और छाँव,
दाता किसी भी दिशा में ले चल ज़िन्दगी की नाव।
चाहे हमें लगा दे पार डुबो दे चाहे बीच मझधार,
जो भी देना चाहे दे दे करतार, दुनिया के पालनहार॥
तेरे फूलों से भी प्यार . . .

चाहे सुख दे या दुःख चाहे खुशी दे या गम,
मालिक जैसे भी रखेगा वैसे रह लेंगे हम।
चाहे हंसी भरा संसार दे या आंसूओं की धार,
जो भी देना चाहे दे दे करतार, दुनिया के पालनहार॥
तेरे फूलों से भी प्यार . . .

ले ले दर्द पराया, कर दे दूर ग़म का साया

ले ले दर्द पराया, कर दे दूर ग़म का साया,
तेरी खुशी तुझको मिल ही जायेगी॥

खुशी औरों को देके तू ले ले ग़म,
तेरी हार भी जीत से कुछ न कम।
जो किसी के काम आया, जिसने रोतों को हंसाया,
उसकी कश्ती तो किनारे लग ही जायेगी॥
ले ले दर्द पराया . . .

जिया अपनी ख़ातिर तो वो क्या जिया,
किया ख़ुद को खुशहाल तो किया,
तू बहार बन जा, सारी दुनिया पे छा,
मुर्झायी कलियां खिल ही जायेंगीं॥
ले ले दर्द पराया . . .

तू दुनिया में अपना निशाँ छोड़ जा,
रहे याद वो दास्ताँ छोड़ जा।
जो है ज़िन्दगी से हारा, बन जा उसका सहारा,
तेरी मंज़िल तुझको मिल ही जायेगी॥
ले ले दर्द पराया . . .

धुनः पाया पाया पाया मैनें राम रतन धन पाया,
पाया पाया पाया मैनें राम नाम धन पाया।

धुनः लाईयां तोड़ निभाई साइयाँ, लाईयां तोड़ निभायो।

धुनः भज श्रीरामम भज श्रीरामम, श्रीरामम भज विमलमते।

धुनः बोलो राम बोलो राम बोलो राम राम राम,
बोलो राम बोलो राम बोलो राम राम राम।